U.P.S.C
UNIQUE IAS
STUDY CIRCLE SINCE: 1990

Q:- सूरत विभाजन क्या था? उदारपंथी एवं उग्रवादियों के बीच क्या विवादें थीं?

Ans

सूरत विभाजन

सूरत विभाजन 1905 ई॰ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में उदारवादी और उग्रवादी दलों के मध्य हुआ विभाजन था। 1885 ई॰ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बनने के बाद यह पहली घटना थी जिसमें कांग्रेस में फूट पड़ी। इस विभाजन का मुख्य कारण था कि उदारवादी एवं उग्रवादी दलों के नेताओं की नीतियों का परस्पर विरोधी होना। जहाँ उदारवादी दल स्वराज की प्राप्ति पूर्ण संवैधानिक तरीके से चाहते थे वहीं उग्रवादी दल को स्वराज के लिए किसी भी हद तक जाना मंजूर था। सन 1906 में कलकत्ता अधिवेशन में सर्वप्रथम स्वराज के लिए 4 प्रस्ताव पारित किए जिनमें - (a) स्वयं सरकार
(b) बहिष्कार
(c) राष्ट्रीय शिक्षा
(d) स्वदेशी शामिल थे।

BHOPAL
Established since:1990

परन्तु जब 1907 में सूरत में कांग्रेस रासबिहारी घोष के नेतृत्व में अधिवेशन हुआ तब ये सारे प्रस्ताव अस्वीकार कर दिए गए तथा चारों प्रस्तावों को खारिज कर दिया गया। इस घटना से उग्रवादी दल नाराज थी। वहीं इस विभाजन को तब अंजाम दिया गया जब सूरत अधिवेशन में एक कोल्हापुरी चप्पल बाल गंगाधर तिलक जी को निशाना बनाकर फेंका गया। इस उग्रवादी दल रुष्ट हुए एवं अधिवेशन छोड़कर चले गए, जिसे सूरत विभाजन की संज्ञा दी गई।

UNIQUE
BHOPAL
Established since:1990

उदारवादी एवं उग्रवादी के बीच मुख्य दिक्कतें :

उदारवादी जहाँ स्वराज की माँग संवैधानिक दायरे में रहकर कर रहे थे वहीं उग्रवादी दल स्वराज के लिए हिंसा पर भी उतारू थे। इसका एक उदाहरण 1908 में खुदीराम बोस और प्रफुल्लचाकी द्वारा किया गया अलीपुर बम कांड है। उदारवादियों की मुख्यतः मांगे थी -

i) विधान परिषदों का विस्तार एवं सुधार
ii) ICS परीक्षा का आयोजन एवं उच्च पदों पर भारतीयों की नियुक्ति।

Scanned with

iii) कार्यपालिका और न्यायपालिका को अलग करना।

iv) स्थानीय निकायों के लिए अधिक शक्ति

v) सेना पर खर्च में कमी।

vi) भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

vii) संघ बनाने की स्वतंत्रता।

मूलतः उदारवादी अपनी मांगों को प्रस्तुत करने के लिए याचिकाओं, प्रस्तावों, बैठकों, पत्रक और पर्चे, ज्ञापन और प्रतिनिधि-मंडल का उपयोग करते थे। अर्थात् यह कहा जा सकता है कि उदारवादियों की सोच अभी भी कांग्रेस के शुरुआती विचारों में मेल खाती थी जिसमें वे कोई भी मांग हल समझकर नहीं बल्कि अधिकार की तरह मांगा करते थे।

UNIQUE IAS STUDY CIRCLE
Established since:1990